



प्रीलमिस फैक्ट्स : 15 अक्टूबर, 2018

वैश्विक कौशल पार्क

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (Asian Development Bank- ADB) और भारत सरकार ने मध्य प्रदेश में एक वैश्विक कौशल पार्क (Global Skill Park-GSP) की स्थापना के लिये 150 मिलियन डॉलर के एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किये।

- यह भारत का पहला बहु-कौशल (Multi-Skill) पार्क होगा।
- इसका उद्देश्य राज्य में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रणाली की गुणवत्ता को बेहतर करना और अधिक कुशल श्रमबल सृजित करना है।
- नया GSP कैम्पस भोपाल में स्थापित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख उन्नत प्रशिक्षण संस्थान होंगे।
- यहाँ व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण केंद्र और उन्नत कृषि प्रशिक्षण केंद्र के साथ-साथ ऐसी अन्य सहायक सेवाओं से जुड़े केंद्र भी होंगे, जिनमें उद्यमिता, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और कौशल संबंधी अनुसंधान पर फोकस किया जाएगा।
- इस कैम्पस से लगभग बीस हजार प्रशिक्षु एवं प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मध्य प्रदेश के सहिार ज़िले में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (National Mental Health Rehabilitation Institute- NIMHR) खोले जाने की मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है पहले यह संस्थान भोपाल में खोला जाना था।

- सहिार में बनने वाला राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान देश में अपनी तरह का पहला संस्थान होगा।
- यह संस्था नशिकृत जन सशक्तीकरण विभाग के अंतर्गत एक सोसाइटी के रूप में सोसाइटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत स्थापित की जाएगी।
- संस्थान का मुख्य उद्देश्य मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था करना, मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के क्षेत्र में क्षमता विकास तथा मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के लिये नीति बनाना और अनुसंधान को बढ़ावा देना है।
- यह संस्थान मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन और अनुसंधान के लिये उत्कृष्टता और क्षमता विकास केंद्र के रूप में काम करेगा और मानसिक बीमारियों से ग्रस्त लोगों के प्रभावी पुनर्वास के लिये बेहतर मॉडल सुझाएगा।
- संस्थान मानसिक रोगियों के लिये सभी तरह की पुनर्वास सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथही स्नातकोत्तर और एम.फिल. डिग्री तक की शिक्षा की भी व्यवस्था करेगा।

इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी

हाल ही में 'इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी' (India for Humanity) की औपचारिक रूप से शुरुआत की गई।

- वद्विश मामलों के मंत्रालय ने मानवता के प्रति गांधी जी की सेवाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से अगले एक साल तक चलने वाले महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह के हिससे के रूप में इस कार्यक्रम की शुरुआत की है।
- महात्मा गांधी की कुण्डा, देखभाल और मानवता की सेवा के आदर्श को रेखांकित करते हुए, 'मानवता के लिये भारत या India For Humanity' कार्यक्रम के तहत दुनिया भर में एक वर्ष तक चलने वाले कृत्रिम अंग फिटनेस शिविर लगाए जाएंगे, इसके लिये मंत्रालय प्रसिद्ध चैरिटीबल ट्रस्ट 'भगवान महावीर वकिलांग सहायता समिति' के साथ मिलकर काम कर रहा है।
- 1975 में स्थापित यह समिति अपने ट्रेडमार्क अंग "जयपुर फुट" के लिये सुप्रसिद्ध है, भगवान महावीर वकिलांग सहायता समिति कृत्रिम अंगों के

- फटिनेस के लिये दुनिया के सबसे बड़े संगठनों में से एक है और अब तक 1.73 मिलियन से अधिक लोगों को सेवा प्रदान कर चुकी है ।
- इस अंग प्रत्यर्पण शिविर को पूरी तरह से वदिश मंत्रालय द्वारा प्रायोजति कयिा जाएगा ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-15-10-2018>

